भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 776

उत्तर देने की तारीख : 04.02.2026

उत्तर प्रदेश में 'उस्ताद' योजना का कार्यान्वयन

776. श्री पुष्पेंद्र सरोज:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 2020 से 'उस्ताद' योजना के तहत प्रशिक्षित कारीगरों और शिल्पकारों की संख्या, शिल्प एवं राज्य/ संघ राज्यक्षेत्रवार और विशेषकर उत्तर प्रदेश के लिए जिला-वार कितनी है;

(ख) क्या प्रशिक्षित कारीगरों के लिए सतत रोजगार या बाजार संपर्क सुनिश्चित करने के लिए कोई उपाय किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत पांच वर्षों के दौरान देश में 'उस्ताद' के कार्यान्वयन के लिए स्वीकृत, आबंटित और उपयोग किया गया कुल बजट विशेषकर उत्तर प्रदेश सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र और वर्ष-वार कितना है; और

(घ) क्या इस योजना के तहत अल्पसंख्यक समुदायों के पारंपरिक शिल्पों को डिजिटल रूप से प्रलेखित करने और इन्हें बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो राज्य/संघ राज्यक्षेत्र और वर्ष-वार विशेषकर उत्तर प्रदेश में तत्संबंधी ब्यौरा और परिणाम क्या हैं?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) USTTAD योजना वर्ष 2015 में लक्षित क्षमता निर्माण और मास्टर शिल्पकारों/ कारीगरों के कौशल के उन्नयन के लिए शुरू की गई थी। इस योजना के अंतर्गत 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित थीं। इस योजना के तहत 21,000 से अधिक लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें लगभग 89% महिलाएं थीं। उत्तर प्रदेश में USTTAD योजना के तहत, चिकनकारी, वुड कार्विंग, पारंपरिक कढ़ाई (जर्दोज़ी), मुँज शिल्प, कशीदाकारी और क्रिवेल वर्क जैसे शिल्प क्षेत्रों में कुल 9,166 लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त, USTTAD योजना के अंतर्गत, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने निर्धारित पारंपरिक कला और शिल्प क्षेत्रों में डिज़ाइन एवं विकास कार्यशालाएँ आयोजित करने हेतु राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (NID) और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT) जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं को भी नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल किया। उत्तर प्रदेश में उक्त योजना के तहत NID और NIFT के माध्यम से छह शिल्प क्षेत्रों को कवर किया गया:

i. बनारस ब्रोकेड – वाराणसी

ii. सॉफ्ट स्टोन – वाराणसी

iii. ग्लास फ्लेमवर्क – फिरोजाबाद

iv. कामदानी – लखनऊ

v. चिकनकारी – लखनऊ

vi. बोन कार्विंग – लखनऊ

(ख) मंत्रालय ने पूर्व में 41 हुनर हाट आयोजित किए थे, जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित देशभर के कारीगरों/शिल्पकारों और पाककला विशेषज्ञों को अपने हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शित और विपणन करने का अवसर दिया गया था। इन कार्यक्रमों से 8 लाख से अधिक लाभार्थियों, जिसमें कारीगर, शिल्पकार और संबद्ध व्यक्ति शामिल हैं, लाभान्वित हुए। इन 41 हुनर हाट में से 9 हुनर हाट उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ, रामपुर, वृंदावन और आगरा में आयोजित किए गए थे।

USTTAD योजना को अब अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कौशल विकास, अल्पसंख्यक महिलाओं के उद्यमिता और नेतृत्व विकास, तथा स्कूल छोड़ने वाले छात्रों के लिए शिक्षा सहायता पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन' (पीएम विकास) नामक एक एकीकृत योजना के घटक के रूप में अभिसरित किया गया है।

PM VIKAS योजना के तहत, मंत्रालय भारत भर के अल्पसंख्यक कारीगरों को एक साथ लाकर, उनके संचालन एवं व्यवसायों को बढ़ाने में सहायता प्रदान करने के लिए 'लोक संवर्धन पर्व' का आयोजन कर रहा है। यह मंच कारीगरों को अपनी स्वदेशी कला, शिल्प और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को न केवल अल्पसंख्यक समुदायों की परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है, बल्कि कारीगरों के लिए एक अभिनव और उद्यमशीलता वातावरण को बढ़ावा देने के लिए भी तैयार किया गया है। विपणन, निर्यात और ऑनलाइन व्यवसाय, डिजाइन, कराधान और बिक्री आदि जैसे क्षेत्रों में अपने कौशल को बढ़ाने के लिए, मंत्रालय द्वारा निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के समर्थन से कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं, जिससे उनकी प्रतिभा को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है।

(ग) USTTAD योजना को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में लागू किया गया था, इसलिए, इस योजना के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कोई निधि आवंटित नहीं की गई थी, और वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक परियोजनाएं आवंटित की गई थीं। तत्पश्चात, USTTAD योजना के तहत केवल प्रतिबद्ध देनदारियों का निर्वहन किया जा रहा है (वित्तीय वर्ष 2023-24 से, PM VIKAS (प्रतिबद्ध देनदारियां) के तहत एक साथ संयुक्त रूप से 5 पूर्ववर्ती योजनाओं के लिए निधि आवंटन किया गया था)। पिछले पांच वर्षों के दौरान USTTAD और PM VIKAS (प्रतिबद्ध देनदारियां) योजना के तहत व्यय का विवरण नीचे सारणीबद्ध है:-

(सभी राशि करोड़ में)

वर्ष	2020-21			2021-22			2022-23			2023-24			2024-25		
योजनाएं	बीई	आरई	एई	बीई	आरई	एई	बीई	आरई	एई	बीई	आरई	एई	बीई	आरई	एई
USTTA	60	60	56.7	47	47	76.6	47	47	10.6	0	0	0	0	0	0

वर्ष	2020-21			2021-22			2022-23			2023-24			2024-25		
D			4			8			1						
PM VIKAS प्रतिबद्ध देनदारियां	0	0	0	0	0	0	0	0	0	249.85	215.98	209.42	244.57	200	209.43

इसके अतिरिक्त, USTTAD योजना को बाद में अन्य कौशल विकास, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण योजनाओं के साथ PM VIKAS योजना में एकीकृत किया गया और जनवरी 2025 में PM VIKAS योजना शुरू की गई।

(घ) USTTAD योजना के तहत, नॉलेज पार्टनर के रूप में NID और NIFT ने 35 पिछड़े शिल्प समूहों की पहचान की और उनके इतिहास, प्रक्रियाओं, उत्पाद श्रेणियों, बाजार परिदृश्यों के साथ-साथ प्रमुख चुनौतियों का विवरण तैयार किया और इसे मंत्रालय को प्रस्तुत किया। पहचान किए गए शिल्प समूहों की सूची **अनुबंध-1** में रखी गई है। इस योजना के तहत, मंत्रालय ने कारीगरों और शिल्पकारों के लिए बाजार संपर्क बनाने के लिए हुनर हाट का भी आयोजन किया। हुनर हाट के तहत देश भर के कारीगरों/शिल्पकारों और पाक कला विशेषज्ञों को उल्लिखित उत्पादों सहित अपने हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों को प्रदर्शित करने और विपणन करने का अवसर दिया गया था। हुनर हाट ने कारीगरों, शिल्पकारों और संबंधित व्यक्तियों के लिए रोजगार और रोजगार के अवसर उत्पन्न किए हैं और उनके बाजार संबंधों को और मजबूत किया है। नवंबर 2016 से अब तक देश भर में विभिन्न स्थानों पर 41 हुनर हाट आयोजित किए गए हैं, जिससे 8 लाख से अधिक कारीगरों, शिल्पकारों और संबद्ध लोग लाभान्वित हुए हैं। अब तक आयोजित हुनर हाट का विवरण **अनुबंध-2** में दिया गया है।

*****

अनुबंध-1

'उत्तर प्रदेश में 'उस्ताद' योजना का कार्यान्वयन' विषय पर श्री पुष्पेंद्र सरोज द्वारा पूछे गए तथा दिनांक 04.02.2026 को उत्तर दिए जाने हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 776 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

उत्पाद और शिल्प क्षेत्र (क्राफ्ट क्लस्टर) - USTTAD				
क्र.सं.	**राज्य**	**नॉलेज पार्टनर**	**शिल्प क्षेत्र (क्राफ्ट क्लस्टर)**	**शिल्प का नाम**
1	आंध्र प्रदेश	NIFT	उदयगिरी	लकड़ी की कटलरी
2	असम	NIFT	गोलाघाट	गोलाघाट के वस्त्र
3	बिहार	NIFT	भागलपुर	भागलपुर बुनाई
4	हिमाचल प्रदेश	NIFT	धर्मशाला	तिब्बती कालीन
5	जम्मू एवं कश्मीर	NIFT	श्रीनगर	टिल्ला कढ़ाई
6	कर्नाटक	NIFT	बीदर	बिद्रीवेयर
7	कर्नाटक	NIFT	चन्नापटना	चन्नापटना खिलौने
8	कर्नाटक	NIFT	मैसूर	रोज़वुड इनले
9	केरल	NIFT	बेपोर	लकड़ी का जहाज बनाना
10	मध्य प्रदेश	NIFT	महेश्वर	माहेश्वरी
11	मध्य प्रदेश	NIFT	भोपाल	भोपाली बटुआ
12	महाराष्ट्र	NIFT	मुंबई	पारसी गारा
13	नागालैंड	NIFT	दीमापुर	नागालैंड के वस्त्र
14	नागालैंड	NIFT	विश्वेमा	नागालैंड वुडवर्क्स
15	पंजाब	NIFT	पटियाला	फुलकारी
16	पंजाब	NIFT	मलेरकोटला	टिल्ला और खोसा जुट्टी
17	राजस्थान	NIFT	उदयपुर	एप्लिक/पैचवर्क
18	राजस्थान	NIFT	पीपाड़	ब्लॉक प्रिंटिंग
19	तमिलनाडु	NIFT	पुलिकट	ताड़ के पत्तों की टोकरी
20	तेलंगाना	NIFT	हैदराबाद	लाख की चूड़ियाँ
21	उत्तर प्रदेश	NIFT	वाराणसी	बनारस ब्रोकेड
22	उत्तर प्रदेश	NIFT	लखनऊ	बोन कार्विंग
23	उत्तर प्रदेश	NIFT	लखनऊ	चिकनकारी
24	उत्तर प्रदेश	NIFT	लखनऊ	कामदानी
25	पश्चिम बंगाल	NIFT	बारासात और बीरभूम	कांथा
26	आंध्र प्रदेश	NID	निम्मालकुंटा	चमड़े की कठपुतली
27	गोवा	NID	पणजी	क्रोशै

28	जम्मू एवं कश्मीर	NID	श्रीनगर	कागज से कलाकृतियाँ बनाना
29	केरल	NID	कोडुंगल्लूर, थालायोलापरम्बु, थझावा	स्क्रू पाइन बुनाई
30	लद्दाख	NID	लिकिर, लेह	लिकिर मिट्टी के बर्तन
31	मणिपुर	NID	नुंगबी	काले मिट्टी के बर्तन
32	पंजाब	NID	जंडियाला गुरु	ठठेरा/पीतल और कांस्य
33	राजस्थान	NID	बीकानेर	उस्ता चमड़ा शिल्प
34	उत्तर प्रदेश	NID	फिरोजाबाद	ग्लास फ्लेमवर्क
35	उत्तर प्रदेश	NID	वाराणसी	सॉफ्ट स्टोन

अनुबंध-2

'उत्तर प्रदेश में 'उस्ताद' योजना का कार्यान्वयन' विषय पर श्री पुष्पेंद्र सरोज द्वारा पूछे गए तथा दिनांक 04.02.2026 को उत्तर दिए जाने हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 776 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

अब तक आयोजित किए गए हुनर हाटों की सूची

क्र.सं.	हुनर हाट स्थल	राज्य	तारीख
1	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, नई दिल्ली	दिल्ली	नवंबर, 2016
2	बाबा खड़क सिंह मार्ग	दिल्ली	फरवरी, 2017
3	पुडुचेरी	पुडुचेरी	सितंबर, 2017
4	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, नई दिल्ली	दिल्ली	नवंबर, 2017
5	इस्लाम जिमखाना, मुंबई	महाराष्ट्र	जनवरी, 2018
6	बाबा खड़क सिंह मार्ग	दिल्ली	फरवरी, 2018
7	प्रयागराज	उत्तर प्रदेश	सितंबर, 2018
8	पुडुचेरी	पुडुचेरी	अक्टूबर, 2018
9	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला	दिल्ली	नवंबर, 2018
10	बीकेसी, मुंबई	महाराष्ट्र	दिसंबर, 2018
11	बाबा खड़क सिंह मार्ग, 2019	दिल्ली	जनवरी, 2019
12	जवाहर कला केंद्र, जयपुर	राजस्थान	अगस्त-1 सितंबर 2019
13	प्रयागराज	उत्तर प्रदेश	नवंबर, 2019
14	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला	दिल्ली	नवंबर, 2019
15	अहमदाबाद	गुजरात	दिसंबर, 2019
16	मुंबई	महाराष्ट्र	दिसंबर, 2019
17	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	जनवरी, 2020
18	हैदराबाद	तेलंगाना	जनवरी, 2020
19	इंदौर	मध्य प्रदेश	फरवरी, 2020
20	रांची	झारखंड	फरवरी-मार्च, 2020
21	इंडिया गेट	दिल्ली	मार्च-2020
22	दिल्ली हाट पीतमपुरा	दिल्ली	नवंबर-2020
23	रामपुर	उत्तर प्रदेश	दिसंबर-2020
24	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	जनवरी-फरवरी 2021
25	मैसूर	कर्नाटक	फरवरी-2021
26	जेएलएन दिल्ली	दिल्ली	फरवरी - मार्च 2021
27	भोपाल	मध्य प्रदेश	मार्च-2021
28	गोवा	गोवा	मार्च-अप्रैल 2021
29	रामपुर	उत्तर प्रदेश	अक्टूबर-2021
30	देहरादून	उत्तराखंड	अक्टूबर -नवंबर 2021

31	वृंदावन	उत्तर प्रदेश	नवंबर 2021
32	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	नवंबर 2021
33	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला	दिल्ली	नवंबर, 2021
34	सूरत	गुजरात	दिसंबर, 2021
35	जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली	दिल्ली	दिसंबर 2021- जनवरी, 2022
36	पुडुचेरी	पुडुचेरी	फरवरी 2022
37	हैदराबाद	तेलंगाना	फरवरी-मार्च 2022
38	गुवाहाटी	असम	मार्च, 2022
39	चंडीगढ़	पंजाब	मार्च – अप्रैल 2022
40	मुंबई	महाराष्ट्र	अप्रैल 2022
41	आगरा	उत्तर प्रदेश	मई 2022

*****